

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : S-58 E
Unique Paper Code : 121301402_CC
Name of the Paper : The Philosophy of Aupaniṣadic tradition
उपनिषद्-दर्शन
Name of the Course : MA Sanskrit Examination, May 2023
Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 70

Instructions for Candidates

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिए।
(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Attempt all questions.

1. निम्नलिखित की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए, जिनमें से कोई एक संस्कृत में हो – 5+5+5+7=22
Explain the following with context, out of which one should be in Sanskrit.

(क) ईशा वास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत्।
तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्य स्विद्धनम्॥

अथवा/or

अग्रे नय सुपथा राये अस्मान् विश्वानि देव वयुनानि विद्वान्।
ययोध्यस्मज्जुहुराणमेनो भूयिष्ठां ते नमउक्तिं विधेम॥

(ख) किं कारणं ब्रह्म कुतः स्म जाता जीवाम केन क्व च संप्रतिष्ठाः।
अधिष्ठिताः केन सुखेतरेषु वर्तामहे ब्रह्मविदो व्यवस्थाम्॥

P.T.O.

अथवा/or

क्षरं प्रधानममृताक्षरं हरः क्षरात्मानावीशते देव एकः।
तस्याभिध्यानाद्योजनात्तत्त्वभावात् भूयश्चान्ते विश्वमायानिवृत्तिः॥

- (ग) नीहारधूमार्कानिलानलानां खद्योतविद्युत्स्फटिकशशीनाम्।
एतानि रूपाणि पुरःसराणि ब्रह्मण्यभिव्यक्तिकराणि योगे॥

अथवा/or

वेदाहमेतं पुरुषं महान्तमादित्यवर्णं तमसः परस्तात्।
तमेव विदित्वातिमृत्युमेति नान्यः पन्था विद्यतेऽयनाय॥

- (घ) द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया समानं वृक्षं परिषस्वजाते।
तयोरन्यः पिप्पलं स्वाद्वत्त्यनश्नन्नन्यो अभिचाकशीति॥

अथवा/or

घृतात्परं मण्डमिवातिसूक्ष्मं ज्ञात्वा शिवं सर्वभूतेषु गूढम्।
विश्वस्यैकं परिवेष्टितारं ज्ञात्वा देवं मुच्यते सर्वपाशैः॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए – 4x7=28
Write short note on any four of the following –

- | | | | | |
|-------------------------------------|--|------|---------|----------|
| (क) विद्या | Vidyā | अथवा | सम्भूति | Sambhūti |
| (ख) ब्रह्मचक्र | Brahmacakra | अथवा | रुद्र | Rudra |
| (ग) ध्यानयोग | Dhyānayoga | अथवा | माया | Māyā |
| (घ) उपनिषत्साहित्य का सामान्य परिचय | The general introduction of the Upanishad literature | | | |

अथवा/or

उपनिषत्साहित्य का सन्देश Message of the Upanishad literature

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर निबन्ध लिखिए – 2x10=20
Write an essay on any two of the following –

- | | |
|-------------------------------------|---|
| (क) उपनिषत्साहित्य में सृष्टिविद्या | Creationism in the Upanishad literature |
| (ख) उपनिषत्साहित्य में जीव | Jīva in Upanishad literature |
| (ग) उपनिषत्साहित्य में आत्मा | Ātmā in Upanishad literature |
| (घ) उपनिषत्साहित्य में ब्रह्म | Brahma in Upanishad literature |